(a) whether Government propose to set up some sugar mills in the country both in the private and the public sectors on modern lines; and

(b) if so, the details thereof, and the investment proposed to be made therein?

THE MINISTER OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI NATHU RAM MIRDHA): (a) and (b) The Central Government does not propose specific areas to set up new sugar factories in any part of the country. The applications for grant of LOI/IL for establishment of new sugar mills are received through the Department of Industrial Development, which are then considered by the Department of Food as per licensing guidelines. However, during the VIIth Five Year Plan (as on 15-4-90), 85 Letters of Intent comprising 66 cooperative, 1 public and 18 private sector have been issued for establishment of new sugar factories.

The total financial requirement for the above projects would be approximately Rs. 2,262 crores.

Ban on new employment in the Central Warehousing Corporation

*153. PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether there is a ban on new employment in the Central Warehousing Corporation; if so, since when; and

(b) whether this has resulted in the various godowns of the Corporation being under staffed with adverse effect on the work of the godowns?

THE MINISTER OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI NATHU RAM MIRDHA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

खाद्यान्न उत्पादन संबंधी विशेष कार्यक्रम

***154. श्री राम जेटमलानी :**

सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कृषि उत्पादन को बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार ने अगले वर्ष से "खाद्यान्न उत्पादन संबंधी विशेष कार्यक्रम" प्रारंभ करने का निर्णय किया है ;

(ख) यदि हां, तो देश में अगले वर्ष हेतु कृषि उत्पादन के लिये क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है ; और

(ग) सरकार द्वारा "खाद्यान्न उत्पादन संबंधी विशेष कार्यक्रम" के अधीन किसानों द्वारा उपयोग किये जाने हेतु प्रमाणित बीजों, उर्वरकों, बिजली आदि की कितनी-कितनी मात्रा निर्धारित की गयी है ?

उप प्रधान मंत्री और कृषि मंत्री (श्री देवी लाल) : (क) जी हां। देश में खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि करने के लिये खरीफ 1988 से विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम शुरू किया गया था। यह कार्यक्रम 1990–91 के दौरान भी क्रियान्वित किया जायेगा ।

(ख) 1990–91 के लिये 176.5 मिलियन मीटरी टन के लक्ष्य का प्रस्ताव किया गया है ।

(ग) केवल विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम के लिये प्रमाणीकृत बीजों, उर्वरकों, बिजली आदि का अलग से कोई निर्धारण नहीं किया गया है। तथापि, अधिक उत्पादन देने वाली विशिष्ट किस्मों के बीजों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धि सुनिश्चित करने के लिये कदम उठाये गये हैं, उर्वरकों और कृमिनाशी दवाओं की बिक्री के लिये अतिरिक्त खुदरा केन्द्रों का प्रस्ताव किया गया है । समेकित कृमि प्रबंध पर